NEW ERA AGRICULTURE MAGAZINE

धान के प्रमुख रोग एवं प्रबंधन

मुकेश कुमार, डॉ0 प्रिंस कवतरं गुप्ता, डॉ0 देवांशु देव, डॉ0 कहकशां आरज, सुभाषीह सरखेल, डॉ0 ,रय्या, डॉ0 दयानंद शुक्ल, चहक टंडन, विशाल तिवारी

1. राइस ब्लास्टः पाइरिकुलेरिया ओरिजा

लक्षणः पत्तियों पर, घाव छोटे पानी से लथपथ नीले हरे धब्बों के रूप में शुरू होते हैं, जल्द ही बड़े हो जाते हैं और भूरे रंग के केंद्र और गहरे भूरे रंग के किनारों के साथ स्पिंडल के आकार के धब्बे बन जाते हैं। रोग बढ़ने पर धब्बे आपस में जुड़ जाते हैं और पत्तियों का बड़ा भाग सूखकर मुरझा जाता ळें

प्रबंधः

1. रोगमुक्त फसल के बीजों का उपयोग।
2. बीज को कैप्टान या थीरम या कार्बेन्डाजिम 2 ग्रामधकिग्रा से उपचारित करें।
3. मुख्य खेत में एडिफेनफॉस 0.1% या कार्बेन्डाजिम 0.1% या ट्राइसाइक्लाजोल 0.06% या थियोफैनेट मिथाइल 0.1% का छिड़काव करें।

2. भूरा धब्बाः हेल्मिन्थोस्पोरियम ओराइजी

लक्षणः कवक नर्सरी में अंकुर से लेकर मुख्य खेत में दूध देने की अवस्था तक फसल पर हमला करता है। लक्षण कोलोप्टाइल, पत्ती के ब्लेड, पत्ती के आवरण और ग्लूम्स पर घाव (धब्बे) के रूप में दिखाई देते हैं, जो पत्ती के ब्लेड और ग्लूम्स पर सबसे प्रमुख होते हैं। यह रोग पहले सूक्ष्म भूरे धब्बों के रूप में प्रकट होता है, बाद में बेलनाकार या अंडाकार से गोलाकार हो जाता है।

प्रबंधः

1. रोगमुक्त बीजों का प्रयोग।
2. फसल चक्र रोपण समय का समायोजन उचित निषेचन धीमी गति से निकलने वाले नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों का उपयोग उचित है। अच्छा जल प्रबंधन।

मुकेश कुमार, डॉ0 प्रिंस कवतरं गुप्ता, डॉ0 देवांशु देव, डॉ0 कहकशां आरज, सुभाषीह सरखेल, डॉ0 ,रय्या
पादप रोग विज्ञान विभाग डॉ0 कलाम कृषि महाविद्यालय किशनगंज
डॉ0 दयानंद शुक्ल, पादप रोग विभाग डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय पूसा, समस्तीपुर – 848 125
चहक टंडन, विशाल तिवारी, परस्नातक छा= उद्यान विभाग डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या।

3. मृदा संशोधन का उपयोग रोग प्रतिरोधी किस्मों के बीज उगाएं। बीजों को थिरम या कैप्टान 4 ग्रामधकिग्रा और मैंकोजेब 0.3: से उपचारित करें।

3. शीथ ब्लाइटः राइजोक्टोनिया सोलानी

लक्षणः कवक फसल को कल्ले फूटने से लेकर बाल निकलने की अवस्था तक प्रभावित करता है। प्रारंभिक लक्षण जल स्तर के निकट पत्ती के आवरण पर देखे जाते हैं। पत्ती के आवरण पर अंडाकार या अण्डाकार या अनियमित हरे भूरे धब्बे बनते हैं। जैसे–जैसे धब्बे बड़े होते हैं, केंद्र अनियमित काले भूरे या बैंगनी भूरे रंकी सीमा के साथ भूरा सफेद हो जाता है।

प्रबंधः

- उर्वरकों की अधिक मात्रा से बचें।
- गर्मियों में गहरी जुताई करना और डंठल जलाना।
- प्रोपिकोनाजोल 0.1: या हेक्साकोनाजोल 0. 2: या वैलिडामाइसिन 0.2: का छिड़काव करें।

4. झूठी गंदगीः यूस्टिलागिनोइडिया विरेन्स

लक्षणः कवक अलग–अलग दानों को पीले या हरे रंग की मखमली दिखने वाली बीजाणु गेंदों में बदल देता है जो पहले छोटे होते हैं और बाद के चरणों में 1 सेमी या लंबे होते हैं।

प्रबंधः बालियां निकलने की अवस्था में कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 0.3: या कार्बेन्डाजिम 0.1: का छिड़काव करें।

- फंगल संक्रमण को रोकने के लिए बूट लीफ और दूधिया अवस्था में कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 2.5 ग्रामध्लीटर या प्रोपिकोनाजोल 1.0 मिलीध्लीटर का छिड़काव अधिक उपयोगी होगा।
- कार्बेन्डाजिम 2.0 ग्रामधकिलो बीज से बीजोपचार करें।